

प्रेस विज्ञप्ति

एमएमटीटीसी, जेएमआई ने 'सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस' और नशा मुक्त छात्रावास समिति (एनएमएचसी), जेएमआई के सहयोग से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तत्वावधान में किया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 26 जून 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) ने सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस (एसपीवाईएम) और नशा मुक्त छात्रावास समिति (एनएमएचसी), जेएमआई के सहयोग से कल 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अकादमिक समुदाय में विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के बीच ड्रग्स के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों और नशा मुक्त समाज बनाने में सामूहिक और सटीक प्रयासों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एमएमटीटीसी की निदेशक प्रो. कुलविंदर कौर द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को संवेदनशील बनाकर युवाओं में बढ़ते मादक द्रव्यों के सेवन के नुकसान की जानकारी देने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। एनएमएचसी की नोडल अधिकारी प्रो. उशविंदर कौर पोपली ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए छात्रावास समिति द्वारा की गई पहलों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में शपथ ग्रहण समारोह भी हुआ- सबसे पहले हिंदी में डॉ. डोरी लाल, आईएएसई, जेएमआई ने और फिर अंग्रेजी में प्रो. कुलविंदर कौर, निदेशक, एमएमटीटीसी ने शपथ दिलाई। संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, छात्रावास प्रतिनिधियों और कर्मचारियों सहित कुल 135 प्रतिभागियों ने अपने संस्थानों और देश को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली।

इसके बाद मुख्य वक्ता, एसपीवाईएम, भारत के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजेश कुमार का परिचय प्रो. सविता कौशल, आईएएसई, जेएमआई ने कराया। भारत में ड्रग्स की लत की समस्या की बड़ी सांख्यिकीय तस्वीर प्रस्तुत करते हुए उन्होंने ऑडियो-विजुअल सामग्री के साथ अपने विशेष व्याख्यान की शुरुआत की। इसके अलावा, उन्होंने जमीनी स्तर पर अपने स्वयं के पुनर्वास कार्य से ड्रग्स की लत के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और शारीरिक कारणों और परिणामों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने एसपीवाईएम के हस्तक्षेपों, पुनर्वास मॉडल और सफल रिकवरी स्टोरीज़ के बारे में बताया और इस विचार को पुष्ट किया कि सही समर्थन और जागरूकता के साथ रिकवरी संभव है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री सुबिमल बनर्जी द्वारा एक व्यक्तिगत पुनर्वास स्टोरी साझा करना था, जो पूर्व में नशे की लत के शिकार थे और एसपीवाईएम में नशा मुक्ति कार्यक्रम के लाभार्थी हैं, जो अब उनके साथ एक परियोजना सहयोगी हैं। प्रतिभागियों ने श्री बनर्जी द्वारा ड्रग्स की लत पर काबू पाने की आत्मकथात्मक स्टोरी की सराहना की और इसे बहुत प्रेरक बताया।

सत्र में एक बहुत ही समृद्ध चर्चा भी हुई। प्रतिभागियों ने कई महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए, जिनका आमंत्रित विशेषज्ञ ने बहुत अच्छे से उत्तर दिया। कार्यक्रम का समापन प्रो. सविता कौशल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अंत में, एमएमटीटीसी के निदेशक ने एक सुरक्षित, जिम्मेदार और नशा मुक्त अकादमिक समुदाय बनाने के लिए कई स्टेकहोल्डर्स को साथ मिलकर निरंतर कार्रवाई और सहयोग करने का आह्वान किया।

प्रोफेसर साइमा सईद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, जेएमआई